an>

Title: Need to ban export of meat and slaughter of the milch animals in the country.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, मांस निर्यात हेतु पशुओं के बढ़ते कटान के कारण आज देश में डेयरी पशुओं की कुल संख्या में भारी गिरावट आ गयी है। पशुओं को काटे जाने की गति उनके प्रजनन की गति से दोगुनी है। अकेले मेरठ जोन में प्रतिदिन लगभग 77 हजार पशुओं का अवैध कटान हो रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 21 हजार टन मांस का प्रसंस्करण हो रहा है। मांस कृषि उत्पाद घोषित है, जैसे कि यह पेड़ पर उगता हो। कृषि उत्पाद घोषित होने के कारण मांस निर्यात तथा बूचड़खाना खोलने पर भारी सब्सिडी है, जिस कारण गोवंश में श्रद्धा रखने वाला यह देश आज गोमांस का दुनिया का नंबर एक निर्यातक देश बन गया है। पशुओं की घटती संख्या के कारण देश में दूध की भारी कमी है, जिसके कारण से दूध के दामों में गत आठ वर्षों में 275 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। अधिकांश सहकारी डेयरी प्लांट्स दूध की कमी के चलते बंद हो चुके हैं। भारत पूरी दुनिया में दुग्ध उत्पादन में प्रथम है, परन्तु श्वेत क्रांति के बावजूद प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता मात्र 281 ग्राम ही हो पायी है, जबकि विकसित देशों में यह 900 ग्राम से भी अधिक है। दूध की कमी होने तथा महंगा होने के कारण देश में सिंथेटिक दूध का प्रचलन बढ़ रहा है, इसके चलन में आने से बीमारियां बढ़ी हैं तथा लोग मर रहे हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस दिशा में आवश्यक पहल करे। मांस निर्यात पर पूर्णतया पाबन्दी लगायी जाए एवं पशुओं का कटान केवल घरेलू जरूरत के लिए हो। गुजरात के अमूल की भांति उत्तर प्रदेश में सहकारी दुग्ध समितियों को मजबूत किया जाए तथा पशुचारे के औद्योगिक उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर चरागाहों के लिए सुरक्षित जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त किया जाए। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON :

Shri Shivkumar Udasi and

*m03 Shri Devji M.Patel are allowed to associate with the matter raised by Shri Rajendra Agrawal.